

CSIR IN MEDIA



CSIR

**NEWS BULLETIN
1 TO 5 AUGUST 2020**



Webinar on 'Energy and Cooking' at CSIR-CFTRI tomorrow

CSIR-CFTRI

5th August, 2020



It may be recalled that the Future India Talks series was initiated by the institute to bring eminent scientists to speak to students of Mysuru and eminent speakers including Dr Shekar C. Mande, DG, CSIR had delivered lectures. The monthly series is now being resumed as a Webinar series from August 2020 onwards. “We welcome all public and especially students aspiring to be engineers and food technologists to gain the insight through this talk,” says Dr KSMS Raghavarao, Director, CFTRI. (MR)

The CSIR-Central Food Technological Research Institute invited the public and students to participate in a webinar tomorrow (August 5). Professor A B Pandit, an eminent engineer and vice-chancellor, Institute of Chemical Technology, University of Mumbai, Mumbai, will be speaking on “Energy and Cooking” a topic that concerns everyday cooking. Cooking is a mix of physical, chemical and biological changes, brought about by either the supply or the removal of the energy. Cooking at a household level is energy-wise very inefficient. The webinar will be about the efforts of scientists in the past few years in making cooking sustainable.

Published in:
[City Today](#)

Hyderabad-based IICT to celebrate 77th Foundation Day on Wednesday

CSIR-IICT

4th August, 2020



Vimta Labs, Dr. S. P. Vasireddi are scheduled to take part in the Foundation Day event. The Director of IICT, Dr. S. Chandrasekhar said that the Foundation Day was an important event and many developments on Atma Nirbhar Bharat will be discussed.

Indian Institute of Chemical Technology (IICT), Hyderabad is celebrating its 77th Foundation Day on Wednesday. On the occasion, the Secretary, Department of Pharmaceuticals, Ministry of Chemicals and Fertilizers Dr. P. D. Vaghela will address the staff and students of the IICT as chief guest while DG, CSIR and Secretary, DSIR Dr. Shekhar Mande will deliver the presidential address. Noted personalities from the scientific community and pharmaceutical sector including scientist, Arun Tiwari, national president of Bulk Drug Manufacturers Association of India (BDMA), V. V. Krishna Reddy, Non-Executive Chairman and Founder of

Published in:
[Telangana Today](#)

CSIR-IICT, Cipla Foundation team up for distribution of masks in Telangana

CSIR-IICT

4th August, 2020

The Indian Institute of Chemical Sciences (CSIR-IICT) is collaborating with the Cipla Foundation (CF) for a project on face-masks in the wake of Covid-19.

The project, “Affordable, multi-layered, hydrophobic face masks with anti-microbial properties entitled “SAANS”, is for production of one lakh high quality masks for distribution in identified mandals of Rural Telangana.

According to D. Shailaja, Chief Scientist & Chair Business Development, CSIR-IICT plans were underway making it a pan- India project.

The project envisages multiple beneficiaries such as enhancing the income of the entrepreneur (start-ups or MSME's), generating employment to SHGs and improving the quality of hygienic life in rural areas for mitigation of the Covid-19, according to a release.

Published in:
[Business Line](#)

Baghjan gas well fire not spreading, says district administration

CSIR-NEIST

3rd August, 2020



occurred in a farmland near the Maguri Matapung Beel, approximately 1.5 to 2 kms away from the said Bagjan Oil Well, and was lit to clear the farmland from bushes”, a release issued by the district administration said. “The district administration appeals to all not to fall for such false news and to maintain tranquillity and law and order in the region,” it added.

District officials and policemen are present at the site and monitoring the situation. Meanwhile, efforts are on to cap the well at the earliest, OIL said in a release on Sunday.

It also claimed that the company was facing continued protests and blockades across many of its wells and field locations, leading to heavy production loss since June.

Operations were disrupted in 12 oil wells and five gas wells since May 27. Assessments and impact studies of the blowout, as well as the blaze in villages and nearby forest areas, by various agencies are going on while the CSIR-North East Institute of Science & Technology (CSIR-NEIST) and IIT-Guwahati have completed collection of data which is being analysed and interpreted now.

The district administration of Tinsukia in Assam on Sunday denied reports that the blaze in Baghjan gas well has spread to other areas, and said that a fire in a farmland, about two km away from the Oil India Limited’s site, was caused by burning of bushes. A section of the media had reported that the fire at Bagjan has spread to neighbouring farmlands which created panic among the people. A well at Baghjan has been spewing gas uncontrollably following a blowout on May 27 and it caught fire on June 9, which is yet to be doused. An attempt to cap the damaged well failed on Friday. “The purported news is completely false and the said fire has

Surveys for assessment of damage for compensation by the district administration are also in progress in both Tinsukia and Doomdooma circles and 2,736 families have been surveyed till Saturday, according to the release.

Published in:
[Hindustan Times](#)

हल्दी रखती है हेल्दी, गुणों की वजह से बढ़ रहा बाजार



गर्भावस्था के बाद आई सूजन, दर्द और कमजोरी दूर करने में होती है कारगर



सैयद सना, लखनऊ

आयुर्वेद में हल्दी को महत्वपूर्ण औषधि माना गया है। ऋषि-मुनियों ने इसे घरे में मसाले की तरह स्थापित किया, तबकि ज्यादा लोग हल्दी को खाने में शामिल करते इसके गुणों का लाभ उठा सके। इसके अलावा इसका इस्तेमाल

फूड ऐंड बेवरेज, कॉस्मेटिक और अरोमा इंडस्ट्री में है खूब मांग

गर्भावस्था के बाद महिलाओं को सूजन, दर्द और कमजोरी दूर करने के लिए हल्दी और सोंठ से बने लड्डू दिए जाते हैं, जिससे उन्हें ताकत मिले। भारत में विवाह के दौरान हल्दी की रस्म भी होती है, जिससे घर-घर की लक्ष्मी में निखार आए और स्किन इफेक्शन दूर किया जा सके। अपने गुणों की वजह से हल्दी का बाजार लगातार बढ़ रहा है। दवाइयों के अलावा फूड ऐंड बेवरेज इंडस्ट्री, कॉस्मेटिक इंडस्ट्री और अरोमा इंडस्ट्री में भी हल्दी का खूब इस्तेमाल हो रहा है।

पाया जाता है कर्कुरमिन

हल्दी में कर्कुरमिन या कर्कुरमिन औषधि का खूब पाया जाता है, जिसकी वजह से हल्दी का रंग पीला होता है। हल्दी को राइजोम या गांठ का प्रयोग किया जाता है। कई, इसकी पत्तियों में भी इसेशियल ऑइल मिलता है, जिसका उपयोग अरोमा और कॉस्मेटिक इंडस्ट्री में होता है। बाजार में हल्दी हरिद्रा टैब्लेट्स, हरिद्राखंड और फाउंडर के रूप में बिकती है। अमूल ने कोलोना चयर्स से लड़ने के लिए ऐंटी टु ट्रिक हल्दी दूध और हल्दी आइसक्रीम भी लॉन्च की है।

बढ़ाती है इम्यूनटी

हल्दी का रोजाना इस्तेमाल हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। इसके अलावा हल्दी में ऐंटी बैक्टीरियल, ऐंटी इन्फ्लेमेट्री, ऐंटी एंजिऑटिक, ऐंटी कैंसर, ऐंटी ऑक्सिडेंट, ऐंटी फायरल, ऐंटी डायबेटिक समेत कई गुण होते हैं। हल्दी पाचन दुर्बल रखने, चूना साफ करने, दिमाग को स्वस्थ रखने, शरीर को सूजन और भूख बढ़ाने में मदद करती है।

हल्दी के यह कॉम्बिनेशन हैं असरकारक

■ हल्दी और सोंठ को बराबर मात्रा में लेने से गठिया और जोड़ों का दर्द ठीक होता है।

■ हल्दी को आंवला के साथ लेना डायबिटीज में फायदेमंद होता है।

■ हल्दी और चंदन का लेप रिकन झोखन से लड़ने में भी कारगर है।

■ घोट के लिए हल्दी, चूना और शहद का इस्तेमाल किया जाता है।

■ शरीर से खून बहने पर हल्दी का प्रयोग करना चाहिए। इसमें चीनी के रोकने के गुण होते हैं।

ऐसे करें सेवन

■ सर्दी-जुकाम, बुखार में आधा चम्मच हल्दी को एक गिलास दूध में मिलाकर पिएं। ■ हल्दी, सोंठ, कालीमिर्च, तुलसी व अजवाइन को आधा कप दूध व आधा कप पानी में तीन टाइम लेने से सर्दी-जुकाम, बुखार दूर होता है। ■ हल्दी, आटे, सोंठ व भेजे के लड्डू खाना फायदेमंद है।

ऐसे बनाएं हल्दी का बुकनू
सबसे पहले कुटकों भर होंग को पी में भून लें। हल्दी को भी भून कर अलग कर लें। हल्दी को बराबर मात्रा में सोंठ, एक चैम्पई से भी कम अजवाइन और स्वच्छनुसर सादा और काल नमक मिलाकर इस्तेमाल करें। यह शरीर के दर्द और अपच दूर करेगा। इसके सेवन से भूख न लगने की समस्या भी दूर होगी।

घरों में भी लगा सकते हैं

आजकल हल्दी में कफ्री मिलावट हो रही है। बाजार में हल्दी से कर्कुरमिन अलग करके बने फाउंडर में पीला रंग मिलाकर मसाले की तरह बेच जाते हैं। इससे बचना है तो घर पर हल्दी उगा सकते हैं। हल्दी को पॉलीथिन, गमलई, शिक्का बर्तन और बगीचे में लगा सकते हैं। इसमें राइजोम या गांठ से अंकुरण होता है। अंकुरित गांठ को मिट्टी में बेना चाहिए। गांठ बढ़ी

से तो टुकड़े भी कर सकते हैं। कोशिश यह करें कि एक टुकड़े में दो गांठ हों। हल्दी के लिए बहुत मिट्टी ज्यादा कारगर है। धैरे को धाँव में रखें, लेकिन देशनी मिलती रहनी चाहिए।

50 वर्ग फुट में लगाने पर मिलेगा 1 किलो पाउडर

अगर आप 40 से 50 वर्ग फुट में हल्दी उगाएंगे तो 5 से 6 किलो राइजोम मिलेगा, जिससे एक से सवा किलो हल्दी पाउडर मिलेगा। इसके लिए गांठों को उबाल कर सुखाकर फाउंडर तैयार कर लें। इसके अलावा बाजार से सूखी या कच्ची हल्दी लेकर घर पर फाउंडर तैयार कर लें।

₹1 लाख तक का मुनाफा

हल्दी की खेती को बढ़ाने के लिए संघीय अग्रीकल्चर प्रजक्ति सिम फौंडमन्टी को निःशुल्क देखा है। एनबीआरआई संस्थान भी अरोमा मिलन

के तहत हल्दी पर किसानों को लाभ पहुंचा रहा है। एनबीआरआई ने केसरी हल्दी विकसित की है, जिसमें कर्कुरमिन की मात्रा सामान्य हल्दी से अधिक होती है।

10 महीने की होती है फसल

हल्दी की 10 महीने की फसल होती है। इसे अप्रैल-जून में लगाकर फरवरी-मार्च में इसे इस्तेमाल में ले सकते हैं। बीज के लिए अप्रैल तक रुक सकते हैं। हल्दी को मेढ़ या फिर जमीन पर उगा सकते हैं। पौधे से पौधे और लहाना से लहाना की दूरी 50x20 सेंटीमीटर होनी चाहिए। खेती की लागत 70 से 80 हजार आती है, कई शुद्ध लाभ 80 हजार से एक लाख रुपये तक होता है। एक हेक्टेअर भूमि में 5 से 6 कुंतल बीज की जरूरत होती है, जिससे 50 से 60 कुंतल फसल प्राप्त होती है। इसके अलावा पत्तियों से भी तेल निकाल कर अतिरिक्त

लाभ कमाया जा सकता है। बाजार में हल्दी के तेल की कीमत 500 से 600 रुपये/किग्रा होती है। पत्तियों में 2.5 से 3 प्रतिशत तक इसेशियल ऑइल होता है। एक हेक्टेअर से 100 से 150 किलो पत्तियां प्राप्त हो जाती हैं। जब इसकी पत्तियां पीली पड़ जाती हैं, तभी इसका तेल निकालना चाहिए।

अरोमा और कॉस्मेटिक इंडस्ट्री में बढ़ी है मांग

फर्मास्यूटिकल के अलावा हल्दी की मांग फूड ऐंड बेवरेज, अरोमा और कॉस्मेटिक इंडस्ट्री में बढ़ी है। लोग हल्दी की पत्तियों से तेल निकाल कर अरोमा या कॉस्मेटिक कंपनियों को बेच सकते हैं। औषधीय गुण अलग करके फसलटैक या सब के सब में दवा कंपनियों को बेच सकते हैं। हल्दी को फाउंडर फॉर्म में अच्छी पैकिंग में बेचने पर भी अच्छी कीमत मिल जाती है।

पौधे लगाएँ तो हमें बताएँ

अगर आपने भी अपने लॉन्ग, गार्डन, गमलों या छत पर औषधीय पौधे लगाए हैं तो पौधे के साथ अपनी सेल्फी nbtlucknow@timesgroup.com पर भेजें। हम ये फोटो एनबीटी लखनऊ के टिवटन हैंडल और फेसबुक पेज पर शेयर करेंगे, ताकि आप दूसरों के लिए प्रेरणा बन सकें।

एक्सपर्ट:

डॉ. राजेश वर्मा
प्रधान वैज्ञानिक,
सीएसआईआर-सीएम

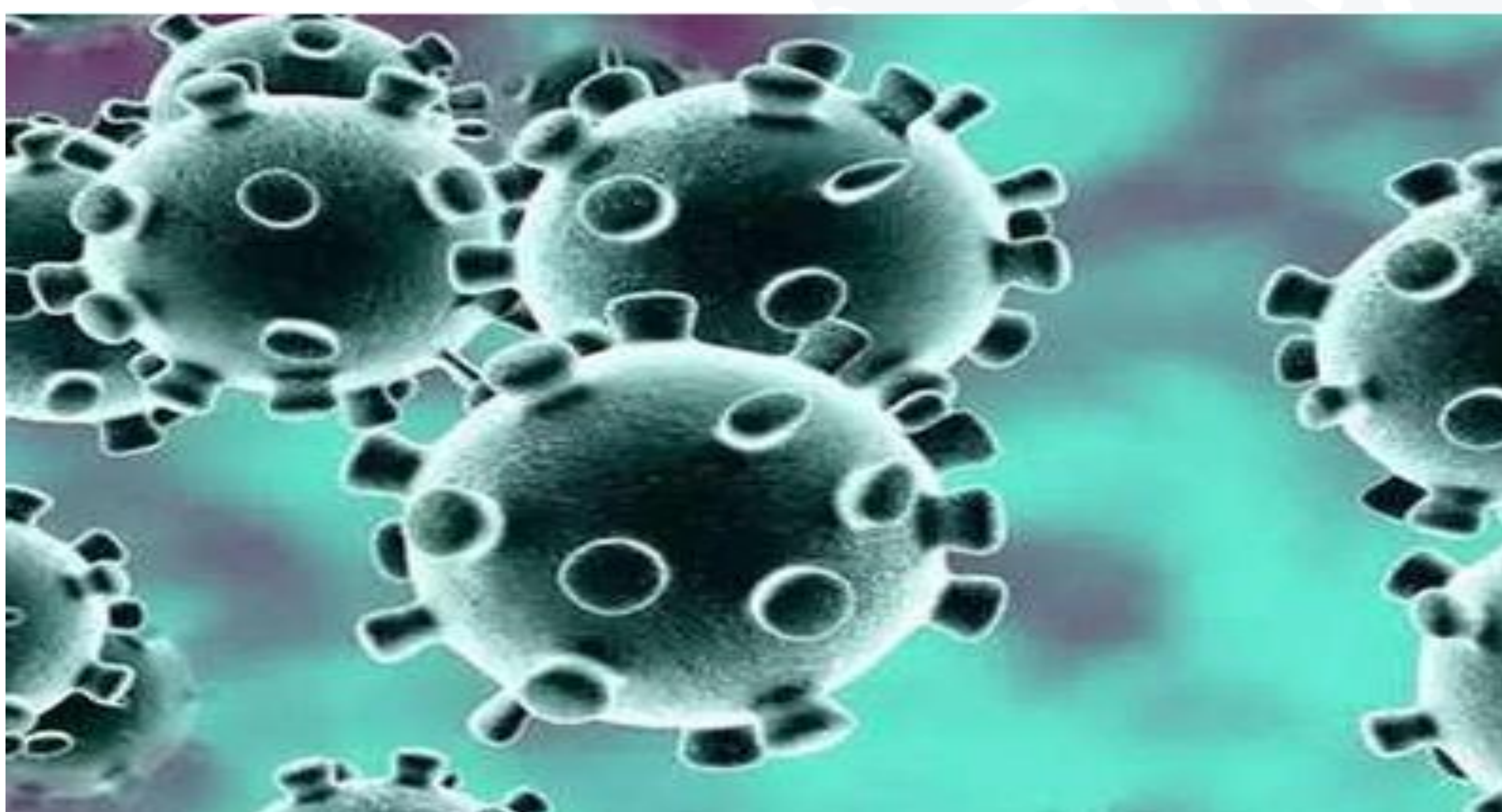
डॉ. एसके तिवारी
मुख्य वैज्ञानिक,
सीएसआईआर-राष्ट्रीय
कनस्पति अनुसंधान संस्थान

डॉ. संजीव ओझा
वरिष्ठ प्रबन्धन वैज्ञानिक,
राष्ट्रीय कनस्पति अनुसंधान
संस्थान, लखनऊ

Supply of corona drug may stabilize

CSIR

2nd August, 2020



Supply of favipiravir — the drug that the Council of Scientific and Industrial Research (CSIR) identified for repurposing for Covid-19 patients — is likely to increase substantially when the first consignment from a new manufacturer reaches Kolkata in next 10 days. The price of the medicine also dropped significantly on Saturday, making it more affordable for patients. Pharmacists across the city have been facing a shortage of favipiravir, which is believed to be effective on patients with mild symptoms, since it was identified for repurposing by the CSIR. In April, CSIR found favipiravir as one of the “most promising drugs”. Developed by a Japanese company, the drug was so far being sold by

a single entity. “It took some time for the doctors to go through the details and start prescribing it. There has been a shortage since then,” said Somnath Ghosh, director of Metro Pharma. Ghosh, who is a distributor of favipiravir in Kolkata, said each day he needs 50 strips and the demand is always surpassing the supply. Unlike other repurposed drugs for Covid-19 — remdesivir and tocilizumab — favipiravir is sold through normal retail channel. “A patient has to take nearly 100 tablets following doctor’s prescription. This created a huge demand while supply was not adequate,” said Gautam Jatia, CEO of Frank Ross Pharmacy. Moreover, the initial cost of the course of medicine was more than Rs 10,000. Gradually, the price came down from Rs 3,500 a strip to Rs 2,210 a strip, but the supply side did not improve. “It is likely to improve after another company, which has started manufacturing, will send its first consignment in next 10 days,” said Sajal Ganguly, secretary of the Bengal Chemists and Druggists Association. “Another Hyderabadbased company, which got a nod from the Drugs Controller General of India, has started manufacturing,” Ganguly added. Doctors, however, are split on their opinion on favipiravir’s efficacy. “There is no scientific evidence that proves favipiravir works for Covid-19 patients. The health ministry in Japan has found it to be not

as effective in severe patients. So, its efficacy still needs to be assessed,” said Sumit Sengupta, consultant respiratory physician with AMRI Hospital.

Published in:

[The Times of India](#)

రోగితో కాదు రోగంతో యుద్ధం



- జాగ్రత్తలు పాటిస్తే అక్కోబరు, నవంబరు నాటికి పాజిటివ్ కేసులు తగ్గించగలం
- కరోనాపై పోరులో అంతిమ విజయం మనదే ● కొవిడ్-19 వెబినార్ లో ఐఐఐటీ డైరెక్టర్ చంద్రశేఖర్

తనాడు, సైదరా వాద్: కొవిడ్-19 రోగంతో యుద్ధం చేయాలి తప్ప రోగితో కాదని ఇండియన్ ఇన్ స్టిట్యూట్ ఆఫ్ టెక్నాలజీ (ఐఐఐటీ) డైరెక్టర్ డాక్టర్ ఎస్.చంద్రశేఖర్ అన్నారు. బాధితులకు దూరంగా ఉండటం ముఖ్యమే అయినా వారికి కావాల్సిన సాయం చేస్తూ ఐరోసా సింపాల్ న్యారు. లేదంటే మనశ్శాంతి కోల్పోయి భయంతో చనిపోయే కేసులూ పెరిగే ఆవ కాశం ఎక్కువ ఉంటుందని చెప్పారు. కరోనాపై పోరా టంలో అంతిమ విజయం మనదే అవుతుందని వేల్చా

న్నారు. ఇప్పటివరకు భనుగొన్న ఔషధాలను వాడుతూ, ముందు జాగ్రత్త చర్యలను పాటిస్తే అక్కోబరు, నవంబరు నాటికి పాజిటివ్ కేసులను తగ్గించగలమని చెప్పారు. కౌన్సిల్ ఆఫ్ సైంటిఫిక్ ఆండ్ ఇండస్ట్రియల్ రీసెర్చ్ (సీఎస్ఐఐఐ) ప్రయోగాలలైన ఐఐఐటీ, సీసీఎంబీ, ఇతర సంస్థలు చేపట్టిన పరిశోధనలపై శనివారమిళ్ళుడ నిర్వహించిన వెబినార్ లో ఆయన మాట్లాడారు. ప్రస్తుతం కొవిడ్ చికిత్సలో ఉపయోగిస్తున్న ఫావిపిరవిర్, రెమిడిసి విర్ వంటి ఔషధాలను భారత్ లో తక్కువ ధరకు అందు బాటులోకి తీసుకొచ్చేందుకు శ్రీయాశీల ఔషధ పదార్థాల(ఏపీఐ)ను ఐఐఐటీ ఆవిష్కర్త చేసి వైవేటు సంస్థ లకు సాంకేతికతను బదలాయించినట్లు చెప్పారు. రోగ

నిరోధక శక్తిని పెంచే ఇమ్మ్యూన్ బూస్టర్ ఎండబ్ల్యూ వ్యాక్సిన్ పై గుజరాత్ లో జరుగుతున్న ప్రయోగాలు సత్ఫలితాలను ఇస్తున్నాయన్నారు. త్వరలోనే ఈ టీకా అందు బాటులోకి వచ్చే అవకాశం ఉందన్నారు. ఐఐఐటీ సీనియర్ ప్రొఫెసర్ శాస్త్రవేత్త డాక్టర్ రాజీరెడ్డి మాట్లాడుతూ, దేశీయంగా దొరికే పదార్థాలతోనే ఫావిపిరవిర్ శ్రీయాశీల ఔషధ పదార్థాల సాంకేతికతను ఆవిష్కర్త చేసి సిఫాకు బదలాయించామని చెప్పారు. రెమిడిసివిర్ సాంకేతికతను మరో మూడు కంపెనీలకు అందించినట్లు చెప్పారు. సీసీఎంబీ శాస్త్రవేత్త దివ్యతేజ్, ఉస్మానియా వైద్యకళాశాల డీన్ డాక్టర్ శశికా రెడ్డి, సీఎస్ఐఐఐ డీజీ డాక్టర్ శేఖర్ మండే తదితరులు పాల్గొన్నారు.

ఐఐఐటీ శాస్త్రవేత్తకు కాంస్య పతకం

ఈనాడు, హైదరాబాద్: సహజ సిద్ధ కౌశల రసాయనాల కృత్రిమ ఉత్పత్తి పద్ధతుల అభివృద్ధిలో పరిశోధనలకు గాను ఇండియన్ ఇన్స్టిట్యూట్ ఆఫ్ టెక్నాలజీ టెక్నాలజీ (ఐఐఐటీ) సీనియర్ ప్రొఫెసర్ శాస్త్రవేత్త డాక్టర్ పి.శ్రీహరి బారత రసాయన పరిశోధన సొసైటీ (సీఆర్ఎస్ఐ) కాంస్య పతకానికి ఎంపికయ్యారు. 2021 సంవత్సరానికి ఆయనను ఎంపిక చేశారు. ఐఐఐటీ గువహాటిలో జరగబోయే 27వ సీఆర్ఎస్ఐ సదస్సులో ఈ పతకాన్ని బహుంజరిస్తారు. కొవిడ్-19 పరిశోధనలోనూ ఆయన పోల్చుండుతున్నారు. దేశీయంగా లభించే ముడిపదార్థాల సాయంతో హైడ్రాఫ్టీ క్లీరింగ్స్ ఏవీఐ తయారీలో కీలకపాత్ర పోషించారు.



డాక్టర్ శ్రీహరి

Hyderabad: CRSI Bronze Medal for IICT Scientist

CSIR-IICT



Senior Principal Scientist in the department of Organic Synthesis and Process Chemistry (OSPC), CSIR-Indian Institute of Chemical Technology, (CSIR-IICT), Dr. Srihari Pabbaraja, has been selected for the Chemical Research Society of India (CRSI) Bronze medal 2021 for his contributions in the field of total synthesis of natural products and method development for new chemical entities, according to a press release. The IICT scientist will receive the coveted medal in the 27th CRSI-RSC joint symposium being organised by CRSI and Royal Society of Chemistry (RSC) at IIT Guwahati, scheduled to be held in February, 2021. Dr. Srihari is associated with the backward integration of


1st August, 2020

Hydroxychloroquine (HCQ), the well-known repurposed drug for Covid-19, and synthesis of its key intermediates from indigenously available raw materials. He is also involved in the application of flow chemistry technology for the synthesis of Active Pharmaceutical Ingredients (APIs), has supervised 12 students for Ph.D, published 115 articles in reputed international journals and has filed 10 patents to his credit. Dr. Srihari is also a recipient of several awards including the CSIR Young Scientist Award in 2009 and the OPPI Young Scientist Award in the same year. He also received the AVRA Young Scientist Award-2014, Dr. A. K. Singh Memorial Young Scientist Award-2016 and CDRI Award for Excellence in Drug Research-2018, among others.

Published in:
[Telangana Today](#)

 | Mini-Review

Sex-derived attributes contributing to SARS-CoV-2 mortality

Neha Chanana, Tsering Palmo, Kavita Sharma, Rahul Kumar, Brian B. Graham, and Qadar Pasha *

29 JUL 2020 // <https://doi.org/10.1152/ajpendo.00295.2020>

 PDF (727 KB)  TOOLS  SHARE

Abstract

Epidemiological data in COVID-19 mortality indicate that men are more prone to die of SARS-CoV2 infection than women, but biologic causes for this sexual dimorphism are unknown. We discuss the prospective behavioral and biological differences between the sexes that could be attributed to this gender-based differentiation. The female sex hormones and the immune stimulatory genes including toll-like receptors, interleukins, micro-RNAs present on X-chromosome may impart lesser infectivity and mortality of the SARS-CoV-2 in females over males. The sex hormone estrogen interacts with the Renin-Angiotensin-Aldosterone System, one of the most critical pathways in COVID-19 infectivity, and modulate the vasomotor homeostasis. Testosterone on the contrary enhances the levels of the two most critical molecules angiotensin converting enzyme 2 (ACE2) and the transmembrane protease, serine-type 2 (TMPRSS2), transcriptionally and post-translationally, thereby increasing viral load and delaying viral clearance in men as compared to women. We propose that modulating sex hormones, either by increasing estrogen or anti-androgen, may be a therapeutic option to reduce mortality from SARS-CoV-2.

Published in:
Endocrinology & Metabolism

Please Follow/Subscribe CSIR Social Media Handles



[CSIR INDIA](#)



[CSIR_IND](#)



[CSIR India](#)